Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

व्यवसायिक शिक्षा के क्षेत्र एवं रोजगार (नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में)

डॉ. पूजा तिवारी*

* सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.) भारत

शोध सारांश – शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक शिक्षा का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। यदि देश का आर्थिक विकास करना है और जनता के जीवन स्तर को उपर उठाना है तो शिक्षा के साथ व्यवसायिक शिक्षा भी जरूरी है ,सभी देशवासियों के सतत विकास के लिए कौशल प्रशिक्षण की नितांत आवश्यकता है।मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है क्योकि वह अपना जीवन सामाजिक मापदंडो के अनुसार ही जीता है ,शिक्षा सामाजिक नियंत्रण का एक सशक्त अभिकरण है ,जिसके कारण मनुष्य पशु से अलग है दोनों में मुख्य फर्क यही है की मनुष्य के पास शिक्षा है वह संस्कृति से ओतप्रोत है आज आवश्यकता इस बात की है की सभी विद्यार्थियों को सामान्य शिक्षा के साथ साथ व्यवसायिक शिक्षा भी दी जाये।इस शोध आलेख के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्रों को विस्तारपूर्वक समझाने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना – व्यावसायिक शिक्षा एक व्यक्ति को आपेक्षित कौशल के साथ लाभकारी रोजगार या स्वरोजगार के लिए तैयार करती है।व्यावसयिक शिक्षा को अन्य नामो से भी जाना जाता है जिसमे कैरियर और तकनिकी शिक्षा, तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण आदि शामिल है। भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 ,1980 को लागु करने के सम्बन्ध में सन 1988 में शिक्षा के व्यावसायिकरण पर केंद्र द्वारा आर्थिक रूप से सरंक्षित योजना (CSS) पूरे देश में प्रारंभ की गयी।

व्यावहारिक कौशल इस शिक्षा का उद्देश्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रत्येक क्षेत्र से व्यावसायिक विषय को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है ,जिसमे कला, विज्ञान, वाणिज्य, गृह विज्ञान आदि के विभिन्न विषय रखे गयें है जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।

व्यावसायिक शिक्षा के कई क्षेत्र हैं जैसे सौन्दर्य और स्वास्थ्य कल्याण, हस्तशिल्प, जैविक खेती, बागवानी, वेब डिजायनिंग, वर्मी कम्पोस्ट ,फैशन डिजायनिंग, कुक्कुट प्रबन्धन पर्यटन, बिक्री कौशल, मेडिकल प्लांट, खुदरा प्रबन्धन आदि।

प्रस्तुत आलेख के माध्यम से इवेंट मेनेजमेंट में केरियर और फैशन डिजायनिंग में विद्यार्थी किस प्रकार से अपना कैरियर बना कर जीविका उपार्जन कर सकते है इसको विस्तारपूर्वक बताया गया है।

इवेंट मेनेजमेंट– इवेंट मेनेजमेंट का अर्थ है आयोजनों का प्रबंधन ,यह कार्य इवेंट मेनेजमेंट कम्पनियों द्वारा किया जाता है। इवेंट मेनेजर का कार्य होता है किसी भी आयोजन के आरम्भ से अंत तक होने वाले हर कार्यक्रम , हर पड़ाव का सुचारू संचालन। आज के युग का महत्वपूर्ण रोजगार इवेंट मेनेजमेंट को कहना अतिश्योक्ति नही होगा।इसका कार्यक्षेत्र महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक फैल चुका हैं।

कार्य क्षेत्र– विवाह समारोह, राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन, फिल्मो के प्रीमियर शो, स्टेज शो, सौन्दर्य प्रतियोगिताये, नये उत्पादों का प्रदर्शन, ऐड शो एवम अन्य बड़े कार्यक्रम या पार्टियाँ आदि।

योग्यताएं – इस कोर्स में एडमिशन हेतु किसी भी विषय के साथ बारहवीं पास होना एवम पी .जी .डिप्लोमा के लिए स्नातक होना जरूरी है।इस कोर्स के लिए विद्यार्थियों की अंग्रेजी में अच्छी पकड़ होना चाहिए।

इस प्रकार से जो यूवा अच्छी तर्कशक्ति, भाषा का ज्ञान, आकर्षक व्यक्तित्व् एवं प्रस्तुतीकरण में माहिर हों उनमे रचनात्मक प्रबन्धन प्रायोगात्मक सोच, व्यवहार कुशलता हो वो अपने इवेंट मेनेजमेंट कम्पनी खोल सकतें हैं, इस क्षेत्र में सबसे अधिक महत्व आपके संपर्क सूत्रों और क्षेत्रों का होता है जितने ज्यादा संपर्क होगा उतने ज्यादा कार्य करने के अवसर होंगें।

इवेंट मेनेजमेंट और जनसंचार से सम्बन्धित पाठ्यक्रम इन संसथानों में उपलब्ध हैं —देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, नेशनल स्कूल ऑफ इवेंट इंदौर जामिया मिलिया इस्लामिया रिसर्च सेटर, दिल्ली, भारतीय जनसंचार संस्थान जे.एन.यू. दिल्ली यसेंट जेवियर्स कॉलेज ऑफ कमुनिकेशन मरीन लाइंस मुंबई, भारतीय विद्या भवन, दिल्ली, मुंबई, चेनई, हैदराबाद, बैंगलोर, कोलकाता, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे।

फैशन डिजाइनिंग में केरियर – फैशन और ड्रेस डिजाईन का जिक्र आते ही कला का एक उत्कृष्ट नमूना हमारी आँखों को चमकदार रंगों और डिजाइन के माध्यम से चमत्कृत कर देता हैं।तेजी से बढलते ट्रेंड के साथ फैशन के प्रति लोगों की बढती जागरूकता के कारण भारत में ड्रेस डिजाइनर की मांग बढ्ती जा रही हैं, यह भारतीय फैशन डिजाइनर का ही कमाल हैं की भारत की माडल्स दुनिया भर में धूम मचा रही है, आज मनीष मल्होत्रा, नीता लुल्ला, रितु कुमार, तरुण तहिलियानी, रितु बेरी, जे.जे. वलाया, सव्यसाची मुखर्जी, विक्रम फर्निस, मनीष अरोरा, दिवंगत रोहित बल, अनीता डोंगरे, मसाबा गुप्ता।

अनामिका खन्ना और नैंसी त्यागी आदि को सभी लोग पहचानते है इस क्षेत्र में मेहनत के साथ यश और कमाई भी है क्योकि दुनिया में हर सप्ताह फैशन बदल जाता है नित नये डिजाइन बनाना बहुत मेहनत का काम होता है।

शैक्षणिक योग्यता– इस पाठ्यक्रम में मात्र 12 जीपरीक्षा 50% अंको से पास होना जरूरी हैं एवैं स्नातकोतर हेतु स्नातक की परीक्षा 50% अंको के साथ पास होना जरूरी है।

फैशन एवैं ड्रेस डिजाइनिंग का कोर्स करने वाले प्रमुख संस्थान – 1. राष्ट्रीय फैशन तकनीक संस्थान, नई दिल्ली 2. मध्यप्रदेश के विभिन्न महिला पोलिटेकनिक संस्थान 3. एस.एन.डीटी वीमेन यूनिवर्सिटी, मुंबई 4. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिग, इंदौर 5. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फेशन टेकनोलोजी ,गांधीनगर, गुजरात।

रोजगार एवम आय की संभावनाएं:

1. फिल्म और टीवी सीरियलों एवम कार्यक्रमों में कास्टयूम डीजायनर के रूप में अवसर।
2 सरकारी एवम प्राइवेट डिपार्टमेंट में हैण्डलूम और कपडा बनाने के क्षेत्र में अवसर।
3 खेल से सम्बन्धित ड्रेस तैयार करने सम्बन्धी व्यापार।
4 फैशन शो ओर्ग नाइज करना।
5 बुटिक और कपड़ो का व्यापार करना।

आरम्भ में आय या वेतन कितना मिलेगा यह कहना मुश्किल है किन्तु अनुभव के साथ साथ अच्छी कमाई होना तय है आज हम देखते है की नैन्सी त्यागी ने फर्श से अर्श का सफर अपनी आत्मनिर्भरता एवम विश्वास से ही तय किया है एक आम लड़की जिसने सिर्फ एक पुरानी सिलाई मशीन से ,आम मार्किट के सस्ते कपडे और साड़ियो से अद्भुद डिजाइन के गाउन तैयार करके कांस तक में धूम मचा दी है कल तक जिस आम लड़की को कोई नही जानता था आज हर व्यक्ति उसके गुणगान कर रहा है।

व्यावसायिक शिक्षा का महत्व आज के समय में बहुत बढ़ गया है ये एक ऐसी शिक्षा है जो विद्यार्थियों को विशेष कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करती है जिससे से वे किसी विशेष क्षेत्र में कार्य करने के लिए तैयार होते है।आज के प्रतिसधात्मक युग में सिर्फ पारम्परिक शिक्षा से ही अच्छे रोजगार के अवसर नही मिल पाते इसलिए व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।सरकार भी इस दिशा में कई कदम उठा रही है जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जो युवाओं को तकनिकी और व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के लिए है।

निष्कर्ष स्वरुप व्यवसायिक शिक्षा और रोजगार का एक गहरा सम्बन्ध है जब हम व्यवसायिक शिक्षा को महत्व देते हैं और उसे समाज में उचित स्थान प्रदान करतें हैं ,तब हम रोजगार के अवसरों को बढ़ा सकते है और युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं ,इस दिशा में सरकार ,संस्थाए और समाज सभी को मिल कर प्रयास करना होगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. भंडारी, जयन्तिलाल, केरियर के सोपान, इंदौर।
2. स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना उच्च शिक्षा विभाग म.प्र.शासन ।
3. वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग, दि रोल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन इन मोडर्न इकॉनमी ।

****